ओडीओसी से वैश्विक होगी यूपी की पाक कला

मुख्यमंत्री जल्द करेंगे योजना का शुभारंभ व्यंजनों की ब्रांडिंग में मदद करेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश की समृद्ध और विविधतापूर्ण खान-पान परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) की तर्ज पर जल्द ही एक जिला एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य हर जिले को उसके विशिष्ट स्वाद, संस्कृति और पहचान के साथ दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है। ओडीओसी योजना से उत्तर प्रदेश की पाक कला वैश्विक स्तर पर स्थापित होगी।

ओडीओसी योजना को लेकर मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ओडीओपी की तर्ज पर ओडीओसी को जमीनी स्तर पर लागू किया जाए। इससे पारंपरिक कारीगरों, हलवाइयों और छोटे उद्यमियों को स्थायी आजीविका का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और सभी उत्पादों को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण से प्रमाणित कराया जाएगा। जीआइ टैगिंग कराने के बाद उत्पादों को वैश्विक बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा।

लखनऊ में शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर एक जनपद-एक व्यंजन योजना को लेकर बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● सूचना विभाग

यूपी में तेजी से बढ़ रहा स्टार्टअप ईकोसिस्टम: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुई स्टार्टअप इंडिया पहल के सफलतम दस वर्ष पूरे होने पर सभी को बधाई। यह अभिनव पहल युवाओं में उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करते हुए भारत को इनोवेशन ड्रिवेन इकोनोमी की दिशा में गतिशील बना रही है। पिछले एक दशक में स्टार्टअप इंडिया ने लाखों युवाओं को उद्यम, उद्योग और नवाचार के अवसर दिए हैं। उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी स्टार्टअप ईकोसिस्टम के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। इससे आत्मनिर्भर व विकसित भारत की यात्रा को नई ऊर्जा प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ओडीओसी योजना के तहत सभी जिले के विशिष्ट व्यंजनों की पहचान कर उन्हें कुइजीन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाए। पारंपरिक व्यंजनों की ब्रांडिंग, टेक्नोलाजी, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए निर्माताओं और विक्रेताओं को प्रोत्साहन दिया जाए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि योजना के तहत उत्पादों का संरक्षण व स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा रोजगार सृजन, वैल्यू-चेन और बाजारों के साथ संबंधित उत्पादों को जोड़ा जाएगा। उत्पादों के निर्यात को लेकर संबंधित व्यापारियों की मदद की जाएगी और वित्तीय प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। अभी तक तैयार सूची में करीब 150 व्यंजनों को शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को मुख्यमंत्री द्वारा योजना के शुभारंभ की तैयारी की जा रही है। ओडीओसी उत्पादों की पैकिंग के ऊपर लोगो (प्रतीक चिह्न) के साथ संबंधित जिलों के विशिष्ट रंग, प्रतीक चिह्न और शैली भी अंकित की जाएगी।

मैनपुरी की सोनपापड़ी व अलीगढ़ का चमचम भी शामिल: ओडीओसी उत्पादों की सूची में मैनपुरी की सोनपापड़ी, अलीगढ़ का चमचम, हाथरस की रबड़ी, मथुरा का पेड़ा, कासगंज का कलाकंद और मूंग का दलमा, एटा की चिकोरी, सुलतानपुर की कड़ाहा की पूरी और कोहड़े की सब्जी, बाराबंकी की चंद्रकला, आजमगढ़ का सफेद गाजर का हलवा, वाराणसी का लौंगलता, बरेली की सिंवइयां, अमेठी का समोसा, बस्ती का सिरका और सिद्धार्थनगर की रामकटोरी को भी शामिल किया गया है।